



Total No. of Printed Pages – 3

APPM
HO LANGUAGE AND LITERATURE

हो भाषा और साहित्य
SUBJECT CODE : 12
विषय कोड : 12
PAPER – IX
पत्र – IX

Full Marks : 100
पूर्णांक : 100

Time : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

सूचना :

प्रश्न-पत्र दो भागों में विभक्त है – खण्ड-I और खण्ड-II ।

खण्ड-I में 8 प्रश्न हैं, जिसमें 5 प्रश्नों के उत्तर देना है ।

खण्ड-II में 8 प्रश्न हैं, जिसमें 5 प्रश्नों के उत्तर देना है ।

सभी प्रश्नों के मान बराबर हैं ।

कुनुलि बर बहगा रे मेनः – खण्ड-I ओन्डोः खण्ड-II

खण्ड-I रे 8 कुनुलि मेनः, मेन्दो 5 कुनुलि रेयः गे हनल एमेतेयः ।

खण्ड-II रे 8 कुनुलि मेनः, मेन्दो 5 कुनुलि रेयः गे हनल एमेतेयः ।

सबेन कुनुलि रेयः मान बराबरि गे मेनः ।

Marks
अंक

खण्ड-I

जान मोड़े (5) कुनुलि रेयः हनल एमेमः

5 × 10 = 50

1. हो भाषा रेयः उपन-जपन चिलिका मेनः ? मियड टुटका ते निबन्ध ओलेबेन ।
2. बेदा (क्रिया) चेनः बु मेतः ? हो व्याकरण लेकाते बेदा चिमिन रोकोम ते मेनः ? उदाहरण लोः ओलेबेन ।

APPM

Paper-IX



3. हो भाषा लो: ओकोन-ओकोन भाषा को जपा-जपा सगई मेन: ? उदाहरण लो: ओलेबेन ।
4. देवनागरी लिपि अर वारड चिति लिपि रेय: तुला-मलाए बेन ।
5. लोकगीत रेय: परिभाषा ओलेबेन ।
हो लोक गीत चिमिन बहगा रे बेन हाटिं दइया ?
6. नेना को रेय: ओरतो ओलेबेन:
 (क) “ओचाम नेलिजतना”
 (ख) “एसेल मइगेम चपुतइ-चपुतइ”
 (ग) “राजा मइ एसुइ: बो’ बलेयना”
 (घ) “अपन-अपनतेम बेलेंजना”
 (ङ) ‘रपुड ओव: रेको सुसुनतना’
7. हो साहित्य रेय: विकास चिलिका होबाकना ?
8. नेना रेय: गेअन-बेअन ओलेबेन:
 “सेनो: तन:ए नला लगिड
 दुकु जिबोन रेंगें: एरा ।
 ल:इ कुअम रो’ आकन
 होमो रे मयोम बनो: अ:ए ॥”

खण्ड-II
5 × 10 = 50

9. हो साहित्य रेय: विकास रे एटा साहित्य रेय: चिलिकन प्रभाव मेन: ?
10. सतीश कुमार कोड़ाह तिकिज: साहित्यिक उनुरूम ओलेबेन ।
11. विश्वनाथ बोदरा तिकिज: कबोय कोरे चिलिकन नोगोइ को इंगुलाकना ?



12. हो जाति रेयः सामाजिक तोनोल चिलिका मेनः ?

13. सेरेडसिया घाटी रे लड़ाई होबालेना ।

मियड निबंध ओलेबेन ।

14. टुटका ते ओल उराएम :

“नेह जुग रे तिसिज् ओकोए सिरमा रेन चन्दुः तःए सेनोः तना, ओकोए सिंगि तःऽ । ओकोए दोरेया जकेड ओयर परोमेतना, ओन्डोः ओकोए दोरेया तला रेयः इकिर रे उनुम केनेएते हिडनम पंजा नम तना । मेन्दो अबु नःऽ जकेड् गिति दुमाह कना । मर उठानपे, मेडेपे दिषुम रेयः बिरिड-बेरेड नेलेपे । अपे उठन पे ओन्डोः दिषुम ‘हो’को उटाकोपे ।

15. हो भाषा ते ओल उराएम :

किसी राष्ट्र या जाति में संजीवनी शक्ति भरने वाला साहित्य ही है । इसलिए संरक्षणीय है । सब कुछ खोकर यदि हम उसे बचाये रहेंगे तो इसी के द्वारा हम सब कुछ पा भी सकते हैं । कारण हमारे पूर्वजों का चिर संचित ज्ञान ही साहित्य है ।

16. नेन गद्याशं पड़ाओ केएते लतर रे ओकोन कुनुलि मेनः, एन रेयः हनल ओलेम ।

‘साहित्य रेयः बेरेड-विकास रे पुति जुम्बलय रेय टयड् एमु चेतन रे मेनः । नेनां लोः ते साहित्य रेयः जिनिड् बु रिका-रका दइया । हिताहसा रे पुति जुम्बलय दो सोदरि रेयः सकि तना । नेना रेयः पेहेःएते अबुअः दिषुम डिडि रकबाकन लेका अदाओ । पुति जुम्बलय दो अबु दिषुम लगिड् नमा जिनिस दो कहतना । लिपि रेयः उपन-जपन होबायने तेगे नःऽ जोड पुति को सगोमो तन गया । अबु दिषुम रेयः पुति जुम्बलय तिसिंड गोटा ओत दिषुम रे उमि षडिया कना ।

(क) साहित्य रेयः बेरेड-विकास रे सबिकोए ते मरं जिनिस चेनः तना ?

(ख) पुति रेयः सगोम को दो चुइलाए ते एटेः लेना ?

(ग) पुति जुम्बलय दो चेनः रेयः सकि तना ?